



मंडला : गणेश पंडाल में बड़ा हादसा करंट फैलने से 4 की मौत, 2 घायल

मंडला, यशभारत। मंडला के नैनपुर थाना क्षेत्र के हीरापुर गांव में गणेश पंडाल में करंट फैलने से बड़ा हादसा हो गया. गणेश विसर्जन के बाद पंडाल में सो रहे 7-8 युवकों में से 4 की मौत हो गई, जबकि 3 युवक घायल हुए हैं. हादसा सुबह करीब 5:30 बजे हुआ. मृतकों की पहचान जैनु भांवरे (19), रवि झारिया (24), कृष्ण कुमार भांवरे (18) और विरेन्द्र भांवरे (24) के रूप में हुई है. घायल प्रियांशु को जिला अस्पताल रफर किया गया है, जबकि दो अन्य का नैनपुर अस्पताल में इलाज चल रहा है. नैनपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है. जानकारी के मुताबिक, गांव में गणेश जी की प्रतिमा स्थापित की गई थी और विसर्जन के बाद पंडाल में करीब 7 से 8 युवक सो रहे थे. सुबह करीब 5:30 बजे अचानक पंडाल में करंट फैल गया, जिसकी चपेट में आने से सोंपे हुए युवक बुरी तरह झुलस गए. हादसा इतना अचानक हुआ कि किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला।

प्लास्टिक मॉल्टिंग फैक्टरी में भीषण आग, तीन कर्मचारी मामूली घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के समायपुर बादली औद्योगिक क्षेत्र फेज-2 में शुक्रवार देर रात प्लास्टिक मॉल्टिंग फैक्टरी में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे में फैक्टरी में काम करने वाले तीन कर्मचारी मामूली रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुटी दे दी गई। दमकल विभाग के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 12:35 बजे फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही आसपास के दमकल केंद्रों से तीन गाड़ियों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंचने के बाद दमकल अधिकारियों ने आग की मजबूतता को देखते हुए तत्काल सात और दमकल गाड़ियों को बुलाया। इसके बाद कुल 10 दमकल गाड़ियों की मदद से आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। दमकलकर्मियों ने आग को फैलने से रोकने के लिए अलग-अलग हिस्सों से मोर्चा संभाला। जांच के दौरान पता चला कि फैक्टरी में प्लास्टिक मॉल्टिंग का काम होता था। प्लास्टिक सामग्री मौजूद होने के कारण आग तेजी से फैल गई। फैक्टरी बेसमेंट, भूतल, पहली और दूसरी मंजिल के अलावा छत पर बने अस्थायी ढांचे में भी फैली हुई थी। करीब 250 वर्ग गज क्षेत्र में बनी फैक्टरी में आग बुझाने के लिए दमकलकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसी बीच दमकल विभाग को फैक्टरी में तीन कर्मचारियों के घायल होने की जानकारी मिली। घायलों की पहचान धर्मवीर (32), मोहम्मद शाह्दख (41) और अमित (34) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने तीनों को उपचार के लिए अंबेडकर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को अस्पताल से छुटी दे दी।

फ्लाइट रिशेड्यूल के बाद यात्री को बोर्डिंग से रोका, डींगों पर 67,713 रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जिला उपमोवा विवाद निवारण आयोग-६ (नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट) ने इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (डींगों) को यात्री को फ्लाइट रिशेड्यूल होने के बाद बोर्डिंग से रोकने के मामले में सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार का दोषी ठहराया है। आयोग ने एयरलाइन को यात्री को कुल करीब 67,713 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया है। मामला 3 फरवरी 2019 का है। जानकारी के अनुसार, डेजी अग्रवाल ने दिल्ली से बंगलुरु जाने के लिए डींगों की फ्लाइट बुक की थी। फ्लाइट का निर्धारित समय दोपहर करीब एक बजे था, लेकिन एयरलाइन ने परिवालन कार्यों से उड़ान का समय बदलकर रातन चार बजे कर दिया। यात्री का बयान था कि वह संशोधित समय को ध्यान में रखते हुए करीब 2:45 बजे एयरपोर्ट पहुंची थी। डेजी अग्रवाल के अनुसार, एयरपोर्ट पहुंचने के बाद डींगों के कर्मचारियों ने उन्हें बोर्डिंग पास जारी करने से इनकार कर दिया। एयरलाइन की ओर से उन्हें ‘नो गो’ माना गया। इसके बाद यात्रा पूरी करने के लिए उन्हें दूसरी फ्लाइट का टिकट खरीदना पड़ा, जिस पर 12,713 रुपये खर्च हुए। मामला उपमोवा आयोग के समक्ष पहुंचने के बाद पीठ ने एयरलाइन की ओर से पेश किए गए तथ्यों और दस्तावेजों पर विचार किया।



चार युवकों की मौत

इस दर्दनाक हादसे में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों की पहचान जैनु भांवरे (19 वर्ष), रवि झारिया (24 वर्ष), कृष्ण कुमार भांवरे (18 वर्ष) और विरेन्द्र भांवरे (24 वर्ष) के रूप में हुई है. यह सभी युवा गांव के ही रहने वाले बताए जा रहे हैं।

तीन घायल, इलाज जारी

हादसे में घायल हुए तीन युवकों में से एक, प्रियांशु, का इलाज फिलहाल जिला अस्पताल में चल रहा है, जिसे हालत गंभीर होने के कारण रैफर किया गया था. वहीं दो अन्य घायलों का इलाज नैनपुर अस्पताल में किया जा रहा है. सभी घायलों की हालत पर डॉक्टरों की टीम नजर बनाए हुए है.

डायल-112 के व्हाट्सऐप पर सीएम को धमकी, संदेश डिलीट किया फिर भी बच नहीं पाया आरोपी

भोपाल, यश भारत । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जान से मारने की धमकी देने के मामले में भोपाल क्राइम ब्रांच ने मुंबई से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने डायल-112 के व्हाट्सऐप नंबर पर धमकी भरा संदेश भेजा था। संदेश को बाद में दो बार संपादित करने के बाद डिलीट कर दिया गया, लेकिन डायल-112 कर्मचारियों ने समय रहते उसका स्क्रीनशॉट सुरक्षित कर लिया। इसी साक्ष्य के आधार पर पुलिस ने तकनीकी जांच आगे बढ़ाई और आरोपी तक पहुंच गई।



स्क्रीनशॉट बना जांच की अहम कड़ी

बुधवार सुबह करीब 11.30 बजे भद्रमदा स्थित रेडियो मुख्यालय के डायल-112 व्हाट्सऐप नंबर पर धमकी भरा संदेश आया। इसमें मुख्यमंत्री को लेकर आपत्तिजनक और धमकीपूर्ण बातें लिखी गई थीं। संदेश भेजने वाले ने बाद में उसमें दो बार बदलाव किया और फिर उसे हटा दिया। हालांकि, कर्मचारियों ने संदेश का स्क्रीनशॉट सुरक्षित कर लिया और वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए रेडियो मुख्यालय की ओर से भोपाल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद प्रकरण क्राइम ब्रांच को सौंपा गया और पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की।

कच्ची दीवार ढहने से पति-पत्नी और आठ वर्षीय बेटे की मौत

लखीमपुर खीरी, एजेंसी। जिले के नीमगांव थाना क्षेत्र के रहमतपुर गांव में शनिवार तड़के लगातार बारिश के बीच कच्चे मकान की दीवार भरभराकर गिर गई। दीवार के नीचे सो रहे पति-पत्नी और उनके आठ वर्षीय बेटे की दबकर मौत हो गई। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से गांव में मातम पसर गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मलबा हटाकर शवों को बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, रहमतपुर निवासी मोहन कश्यप (50) अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में सो रहे थे। शनिवार तड़के अचानक मकान की कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई। उस समय मोहन कश्यप, उनकी पत्नी कविता कश्यप (45) और आठ वर्षीय बेटा नानू कश्यप मलबे की चपेट में आ गए। दीवार गिरने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके



पर पहुंच गए। हादसे की जानकारी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि इस्लाम ने पुलिस और प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय लेखपाल अनुज वर्मा और नीमगांव थाना प्रभारी प्रवीर कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से मलबा हटाने का काम शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद मलबे में दबे तीनों लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। एक ही परिवार के

तीन सदस्यों की मौत की खबर फैलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों के अनुसार, जिले में शुक्रवार से लगातार बारिश हो रही है। बारिश के कारण कच्चे मकान की दीवार कमजोर हो गई थी। इसी बीच तड़के दीवार अचानक ढह गई और परिवार के तीन सदस्य उसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद आसपास रहने वाले लोगों में भी कच्चे मकानों को लेकर चिंता बढ़ गई है। घटना की सूचना पर राजस्व विभाग की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन की ओर से हादसे से हुए नुकसान की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने भी घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। लगातार बारिश के बीच हुए इस हादसे ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। मोहन कश्यप, उनकी पत्नी कविता और बेटे नानू की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शतरंज ओलंपियाड के नौवें दौर में डी गुकेश के

शानदार प्रदर्शन से भारत ने जर्मनी को हराया

उज्बेकिस्तान, एजेंसी।

उज्बेकिस्तान के समरकंद में 46वें शतरंज ओलंपियाड के नौवें दौर में विरव चैपियन डी. गुकेश के शानदार प्रदर्शन से भारत ने जर्मनी को डेढ के मुकाबले ढाई अंक से पराजित किया। इस जीत के बाद भारतीय एक्स टीम दूसरे स्थान पर आ गई है। भारत के रणेशबाबू फ़ज़ानन्द और गार्मेट के विनसेंट कीमर के बीच पहली बाजी झं रही। अर्जुन ऐरीगेसी ने मथायस बल्गुबॉम के साथ दूसरी बाजी झं खेली। निखल सरीन और फ़्रेड्रिक खाने के बीच तीसरी बाजी भी झं रही। चौथी और



निर्णायक बाजी में डी. गुकेश ने पिछले के बाद वापसी करते हुए एलेक्जेंडर डॅनरोवैक को हराकर भारत को जीत दिला दी। अब दसवें दौर में भारत का मुकाबला

उज्बेकिस्तान से होगा। महिला वर्ग के नौवें दौर में भारतीय टीम, उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराकर दूसरे स्थान पर आ गई है। भारत की बी. सविता श्री और उज्बेकिस्तान की करीमोवा गुलदौना के बीच बाजी झं रही। सविता ने प्रतियोगिता में पिछली सात बाजियां लगातार जीती थीं। कोनेरु हनपी और आफरूजा खानमदामोवा के बीच भी बाजी झं रही।

नागपुर-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी, तीन कोचों के शीशे टूटे

नागपुर, एजेंसी। नागपुर-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस में शुक्रवार रात पत्थरबाजी की घटना सामने आई। ट्रेन नंबर 12290 बोरखेड़ी-सिंदी सेक्शन से गुजर रही थी, तभी करीब रात 8:27 बजे बाहर से किसी वस्तु या पत्थर के खिड़कियों से टकराने की सूचना मिली। घटना में ट्रेन के ए-1, बी-2 और बी-5 कोच की खिड़कियों के शीशे टूट गए। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक किसी व्यक्ति ने बाहर से पत्थर फेंका था। हालांकि, घटना की सही जगह और पत्थर फेंकने वाले व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलने के बाद संवेदनशील इलाकों से 2,259 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। कुछ पुल टूटने और एनएच-326 पर पानी बहने से सैकड़ों वाहन फंस गए। केंद्रापड़ा में हजारों छ्क मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। नंदाहंडी में 344 मिलीमीटर और कोरापुट के



तलाशी अभियान चलाया। बोरखेड़ी और ब्राह्मणी गांव के आसपास के इलाकों की भी जांच की गई। पुलिस ने स्थानीय पुलिस पाटिल और ग्रामीणों से पूछताछ की, लेकिन मौके से कोई संधिध व्यक्ति या ठोस सुराग नहीं मिला। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, एस्कॉर्ट स्टाफ या यात्रियों ने भी पुष्टि के लिए करीब 8:27 बजे बाहर से कोई वस्तु या पत्थर आकर ट्रेन की खिड़कियों से टकराया था। घटना में तीन कोचों की खिड़कियों के शीशे टूटे। उपलब्ध जानकारी के



दिया। एक समय दोनों टीमों के बीच अंतर महज एक अंक रह गया और स्कोर 27-26 तक पहुंच गया। इस स्थिति में भारतीय टीम पर दबाव बढ़ गया था, लेकिन खिलाड़ियों ने धैर्य नहीं खोया और महत्वपूर्ण मौकों पर अंक हासिल करते हुए मुकाबले में अपनी पकड़ बनाए रखी। मैच के निर्णायक दौर में भारतीय खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपने खेल का स्तर ऊंचा किया। डिफेंस में मजबूत प्रदर्शन के साथ रेडरों ने भी जरूरी अंक जुटाए।

भारत ने ईरान को बराबरी का मौका नहीं दिया और 37-34 के स्कोर के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय खिलाड़ियों के जीत के साथ ही कोर्ट पर जश्न का माहौल बन गया। फाइनल में संजू देवी ने भी प्रभावी प्रदर्शन किया। उन्होंने महत्वपूर्ण समय पर शानदार रेड करते हुए भारत के खाते में जरूरी अंक जोड़े। उनके प्रदर्शन ने टीम

को निर्णायक बढ़त बनाने में मदद की। भारतीय खिलाड़ियों ने पूरे मुकाबले में एकजुट होकर खेलते हुए ईरान की वापसी की कोशिशों को नाकाम कर दिया। भारतीय टीम को टूर्नामेंट की शुरुआत से ही स्वर्ण पदक का प्रमुख दावेदार माना जा रहा था। टीम ने फाइनल तक का सफर अजेय रहते हुए तय किया और अपने सभी मुकाबलों में जीत दर्ज की। खिलाड़ियों के लगातार बेहतर प्रदर्शन ने खिताब की उम्मीदों को मजबूत किया था। टीम की कोच ने टूर्नामेंट के दौरान भारतीय कबड्डी की ताकत पर भरोसा जताते हुए कहा था कि कबड्डी भारत का खेल है और इसमें भारतीय टीम को हरना आसान नहीं है। फाइनल में जीत के बाद टीम ने अपने प्रदर्शन से इस भरोसे को मजबूती दी। महिला कबड्डी टीम के स्वर्ण पदक ने एशियन गेम्स में भारत के अभियान को भी मजबूती दी है।

140 की रफ्तार में डिवाइडर से टकराकर पलटी कार, खाई में गिरे तीन लोगों की मौत

आगरा, एजेंसी। *आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद कई बार पलट गई। हादसे में पीछे की सीट पर बैठे तीन लोग कार से बाहर निकलकर करीब 30 फीट गहरी खाई में जा गिरे। नीचे पत्थरों पर गिरने से तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक समेत दो लोग घायल हुए हैं। सूचना पर पहुंची डैजी थाना पुलिस और यूपीड का टीम ने घायलों को अस्पताल भेजा और मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए।*



दिया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही डैजी थाना पुलिस और यूपीड की टीम घटनास्थल पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य शुरू करते हुए पुलिस ने कार में फंसे और घायल दोनों लोगों को बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने खाई में गिरे तीनों लोगों के शवों को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे में कार चालक और आगे की सीट पर बैठा एक अन्य युवक घायल हुआ है। दोनों का अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक कार में सवार सभी पांच लोग दिल्ली के रहने वाले बताए जा रहे हैं। थानाध्यक्ष डैजी सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि कार डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई थी। पीछे की सीट पर बैठे तीन लोग कार से बाहर निकलकर पत्थरों पर जा गिरे, जिससे उनकी मौत हो गई। दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

की धारा 153 के तहत अपराध क्रमांक 325/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान घटना की स्थलिक जगह, पत्थरबाजी में शामिल व्यक्ति और घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। ट्रेनों पर पत्थर फेंकने की घटनाएं इससे पहले भी सामने आती रही हैं। चलती ट्रेन पर पत्थर फेंकने से खिड़कियों के शीशे टूटने के साथ यात्रियों के घायल होने का खतरा रहता है। रेलवे सुरक्षा एजेंसियां ऐसे मामलों में संवेदनशील रेल सेक्शनों और आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ाने के साथ स्थानीय स्तर पर भी जानकारी जुटा रही हैं। रेलवे पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है और घटना की सही जगह का पता लगाकर जिम्मेदार व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

CB HEALTH CARE
commitment to best patient care

डॉ. धर्मेंद्र सिंह बागरी
एमडी जनरल मेडिसिन
Ex_senior Resident, cardiology

- ECG एवं PFT (Spirometry) की सुविधा
- 2D ECHO व कलर डॉपलर ईको कार्डियोग्राफी
- हृदय रोग संबंधी सभी प्रकार की समस्याएँ (हार्ट अटैक, हार्ट फेलियर)
- बी.पी., डायबिटीज (शुगर) थायराईड एवं श्वास संबंधित सभी समस्याएँ
- जोड़ों में दर्द गठिया वात से संबंधित सभी समस्याएँ।
- जनरल मेडिसिन से सम्बंधित समस्याओं के उपचार हेतु।

समय : सुबह 10 से 2 बजे तक, सायं 5.30 से 8 बजे तक (रविवार क्लीनिक बंद रहेगा)

Reg.No. - MP25236
+91 8602054967
+91 8602915994
dshsingh@cbhealthcare.in

डन कॉलोनी मोड़, बस स्टॉप मेन रोड, बरगवां, कटनी

लोकतंत्र, संस्थागत साख और आयोग में मतभेद का सवाल

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और उन पर जनता का अटूट विश्वास रहा है। हालांकि, हालिया घटनाक्रम और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के फैसलों को लेकर उत्पन्न हुआ विवाद निर्वाचन आयोग जैसी पारदर्शी संस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। आयोग के भीतर फैसलों को लेकर उभरे मतभेद अब केवल आंतरिक विषय न रहकर सर्वोच्च न्यायालय की चौखट तक पहुँच चुके हैं और सड़कों पर प्रदर्शन का कारण बन गए हैं। कांग्रेस से लेकर अन्य विपक्षी दल व काकरोच जनता पार्टी सभी मुख्य चुनाव आयुक्त के विरोध में जुट गए हैं। ?उधर सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में यह मुख्य चिंता जताई गई है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने अन्य दो निर्वाचन आयुक्तों की पूर्ण सहमति या बहुमत के बिना कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं, जिनमें सॉफ्टवेयर में बदलाव और स्ट्रुक्र से जुड़े दिशा-निर्देश शामिल हैं। 2023 के अधिनियम की धारा 18 यह स्पष्ट रूप से रेखांकित करती है कि निर्वाचन आयोग में किसी भी मतभेद की स्थिति में निर्णय बहुमत के आधार पर ही मान्य होगा। यदि संस्था के भीतर बहुमत की उपेक्षा कर व्यक्तिगत या एकतरफा निर्णय थोपे जाते हैं, तो यह न केवल संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है, बल्कि आयोग की साख को भी गहरा धक्का पहुँचाता है। वैसे भी इन्हीं आशंकाओं के मद्देनजर तीन सदस्यीय चुनाव आयोग की परंपरा शुरू हुई थी। ताकि किसी एक की ममामर्जी को रोका जा सके। चिंताजनक बात यह है कि इस विवाद में केवल विपक्षी दल ही नहीं, बल्कि सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ह्छ) के सहयोगी दल-जैसे लोजपा (रामविलास), टीडीपी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा-भी आयोग से स्पष्टीकरण की मांग कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का यह कथन कि ‘चुनावों में जनता का भरोसा दांव पर है’ स्थिति की गंभीरता को बयां करता है। लोकतंत्र में जब तक चुनावी प्रक्रिया और उसका संचालन करने वाली संस्था पर जनता का विश्वास निष्पक्ष नहीं होगा, तब तक जनताई की पवित्रता पर सवाल उठते रहेंगे। ऐसे में भाजपा के लिए समस्या खड़ी हो गई है। अब तक उसे सिर्फ विपक्ष से लड़ना पड़ रहा था अब उसके कुछ साथी भी चुनाव आयोग के खिलाफ खड़े हैं, वहीं भाजपा ने चुनाव आयोग के पक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर खुद को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। इतना ही नहीं पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने तो सीईसी ज्ञानेश कुमार के लिए पद्मभूषण देने की मांग कर भाजपा के लिए एक और समसैखड़ी कर दी है । हालांकि आयोग द्वारा मतदाता सूची में करोड़ों नए युवाओं के जुड़ने के आंकड़े पेश करना निश्चित रूप से एक सकारात्मक पहलू है, लेकिन यह संस्थागत पारदर्शिता का विकल्प नहीं हो सकता। आयोग को अपने फैसलों, दौरों को टालने के कारणों और आंतरिक असहमतियों पर खुलकर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। चुनावी प्रणाली में किसी भी प्रकार के संशय को मिटाने के लिए यह आवश्यक है कि न्यायपालिका इस पूरे मामले में संवैधानिक मर्यादाओं के अनुरूप शीघ्र और स्पष्ट दिशानिर्देश तय करे। निर्वाचन आयोग को भी यह समझना होगा कि निष्पक्षता केवल होनी ही नहीं चाहिए, बल्कि दिखनी भी चाहिए, जैसा कि न्यायालय ने पहले ही कहा है। यहां उल्लेखनीय है कि यह पूरा मामला इंडियन एक्सप्रेस की एक खबर के बाद आम जनता के सामने आया है, लंबे अरसे बाद अखबार की खबर ने एक बार फिर अपना रंग दिखाया है। लोग इस प्रकार की पत्रकारिता के काफी दीवाने रहे हैं।



मेघ	तृष
उत्साहित आनंद भरा दिन रहेगा परिवार का पूरा सहयोग मिलता दिख रहा है कोर्ट कचहरी धाने से दूर रहे	कल और संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा घर में मांगलिक कार्य आयोजित हो सकते हैं
मिथुन	कर्क
कारोबार में तरक्की की योग बनते दिख रहे हैं खर्चों की अधिकता बनी रहेगी	अस्त व्यस्त दिनचर्या को सुधारने की जरूरत है योग प्राणायाम करके स्वास्थ्य लाभ में सुधार होगा
सिंह	कन्या
जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी	प्रोफेशनल लाइफ में छोटी-मोटी दिक्कतें हो सकती हैं अपने बुद्धि विवेक से समस्याओं का हल निकालें
तुला	वृश्चिक
सुख सुविधाओं के संसाधन की खरीदारी कर सकते हैं उत्साह पूर्वक दिन व्यतीत करेंगे व्यतीत करेंगे	आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी नौकरी में तरक्की मिलने की योग बनते दिख रहे हैं
धनु	मकर
रिश्तों में चल रही दिक्कतों को समझदारी से सुलझाने की कोशिश करें कोथ से बचना होगा	वाणी पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करें बिना सोचे विचारें किसी भी निर्णय में न पहुँचे
कुंभ	मीन
आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा नए कार्य की शुरुआत के लिए दिन अच्छा है	सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी घर वालों का पूरा सहयोग रहेगा

‘अपना काम स्वयं करें’ सिद्धांत के प्रवर्तक ईश्वरचंद्र विद्यासागर नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक थे, जिन्होंने सदैव लोगों को अपने क्रियाकलापों के माध्यम से स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की सीख दी। भारतीय इतिहास में उन्हें एक महान शिक्षक, फिलॉसोफर और समाज सुधारक जैसे कई रूपों में याद किया जाता है। अपने सादा जीवन, निडर स्वभाव, आत्म-बलिदान की भावना, शिक्षा के प्रति समर्पण और दलितों के हित के लिए किए गए कार्यों के कारण ईश्वरचंद्र विद्यासागर पूरी दुनिया के लिए एक महान व्यक्ति बन गए थे। संस्कृत कॉलेज में उन्होंने आधुनिक पश्चिमी विचारों के अध्ययन की शुरुआत की और तथाकथित निचली जातियों के छात्रों को संस्कृत का अध्ययन करने के लिए प्रवेश दिया। संस्कृत भाषा और दर्शन में अगाध ज्ञान होने के कारण उनकी महान विद्वता के लिए कलकत्ता के संस्कृत कॉलेज, जिसके बाद में वे कुछ वर्षों तक प्रिंसिपल भी रहे, ने ही उन्हें विद्यार्थी जीवन में ही ‘विद्यासागर’ की उपाधि से सम्मानित किया था। उन्होंने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए जीवन पर्यंत प्रयास किया। बांग्ला भाषा के गद्य को सरल और आधुनिक बनाने का उनका कार्य भी सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने बांग्ला लिपि की वर्णमाला को सरल और तर्कसम्मत बनाया तथा बांग्ला पढ़ने के लिए सैंकड़ें विद्यालय स्थापित किए और रात्रि पाठशालाओं की भी व्यवस्था की।

नारी शिक्षा के लिए तो ईश्वरचंद्र ने व्यापक जनान्दोलन खेा किया ही था, उन्हीं के निरंतर प्रयासों और दृ?संकल्प की बदौलत ही वर्ष 1856 में ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेज सरकार विधवा पुनर्विवाह कानून पारित करने को विवश हुई थी, जिसके बाद भारतीय समाज में विधवाओं को नए सिरे से जीवन की

छात्रों की आत्महत्या के असल जिम्मेदार कौन?

आईआईटी मुंबई में एक छात्र की आत्महत्या ने फिर से कई पुराने सवाल खड़े कर दिये हैं लेकिन हम हैं कि असल मुद्दे छोड़कर लेकर पीटने में मशगूल हैं। जैसे नीट पेपर लीक में मंत्री के इस्तीफे की सारी समस्या का इलाज समझ लिया गया था वैसे ही इस प्रकरण में प्रोफेसर के इस्तीफे की मांग की जा रही है। एप्ससी/एप्सटी एक्ट के अताकिंक लेकिन डरावने प्रावधानों के तहत प्रोफेसर के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर दी गयी है। समर्थन और विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं और सोशल मीडिया भी अच्छी बुरी प्रतिक्रियाओं से सराबोर है। गम्भीर सामाजिक समस्या को राजनीतिक रंग देकर भी?तंत्र के हवाले कर देना आज के दौर में एक परम्परा हो गया है। यह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम बार बार असल समस्या को नजरअंदाज करके शूतुरमुर्ग की तरह रेत में सर छिपाये हुये हैं। ऑन परपज नाम का पॉडकास्ट चलाने वाले विश्वप्रसिद्ध मॉिटवेशनल स्पीकर जय शेंड्री अपनी बेस्टसेलर किताब थिंक लाइक अ मॉन्क में लिखते हैं कि आम तौर पर बच्चों को दो तरह के झुट सुनना पड़ता है। या तो यह कि; तुम जीवन में कुछ नहीं बन सकते या फिर यह कि; तुम जीवन में जो चाहो बन सकते हो। जबकि वास्तविकता यह है कि कोई भी वह नहीं बन सकता जो वो चाहता है लेकिन वह जरूर बन सकता है जो वो है। ये झुट भारतीय समाज के अधिकांश परिवारों पर पूरी तरह फिट बैठते हैं और अक्सर बच्चों से उनकी क्षमता से बहुत ज्यादा उम्मीद की जाती है। उपभोक्तावाद से ग्रस्त समाज में यह समझा जाता है कि महंगी कोचिंग के दम पर बच्चा जो चाहे वह बन सकता है। इस त्रासदी का एक दुखद पहलू यह भी है कि विरले मातापिता ही बच्चों को नैतिकता, नागरिक जिम्मेदारी, समाजसेवा, देशप्रेम तथा परोपकार की शिक्षा देते हैं। अधिकांश मातापिता की महत्वाकांक्षा बच्चे के आईआईटी अथवा मेडीकल कॉलेज में दाखिले की होती है क्योंकि इन दो व्यवसायों से प्रतिष्ठा और पैसा दोनों ही हासिल होते है।

भारतीय सिस्टम में करियर चुनाव के लिये कोई स्थापित प्रक्रिया नहीं है इसलिए अक्सर मातापिता की महत्वाकांक्षा और समाज की तत्कालीन अपेक्षा ही करियर निर्धारित करती है। जबकि वास्तव में किसी भी बच्चे

विचार प्रवाह

ईश्वरचंद्र विद्यासागर: समाज सुधार के अग्रदूत



शुरुआत कर सम्मान के साथ जीने का अधिकार प्राप्त हुआ था। दरअसल उस समय हिंदू समाज में विधवाओं की स्थिति काफी चिंताजनक थी। 1820 में जिस समय वह बंगाल में पैदा हुए थे, उन दिनों समाज में अनेक कुरीतियां ज? जमाई हुई थी, जिनमें एक थी विधवा होने वाली महिलाएं या सती होने के लिए बाध्य की जाती थी या फिर उनका वैधव्य जीवन बेहद उपेक्षित और दयनीय स्थिति में बीतता था। ईश्वर चंद्र ही वह शख्सियत थे, जिन्होंने तमाम विरोधों के बाद भी न केवल बंगाल में विधवाओं का विवाह कराया बल्कि

तत्कालीन अंग्रेज सरकार को इस बारे में कानून बनाने के लिए भी बाध्य किया। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह के लिए लोकमत तैयार किया और उनके अटूट प्रयासों की बदौलत ही ‘विधवा पुनर्विवाह कानून’ पारित हो सका था। वह कानून पारित होने के तीन महीने बाद ही उन्होंने एक विधवा कमलादेवी का विवाह प्रतिष्ठित घराने के एक युवक के साथ कराया था, जो बंगाल का पहला विधवा विवाह था। उन्होंने 25 विधवाओं का पुनर्विवाह 1856-60 के बीच सम्पन्न कराया। यही नहीं, अपने इकलौते पुत्र नारायण का विवाह भी एक विधवा से करारकर समस्त उन्होंने भारतीय समाज के समक्ष कथनी और करनी के भेद को खत्म करने की अविस्मरणीय मिसाल पेश की थी। पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले में धार्मिक प्रवृत्ति के एक गरीब ब्राह्मण परिवार में 26 सितम्बर 1820 को जन्मे ईश्वरचंद्र विद्यासागर जीवन पर्यंत नैतिक मूल्यों के संरक्षक माने जाते रहे। वास्तव में वे एक ऐसी महान् शख्सियत थे, जिन्होंने नारी शिक्षा को ब?वा देने के साथ-साथ बहुपत्नी प्रथा और बहु-विवाह के खिलाफ भी आवाज उठाई। वे अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक नारी उत्थान के प्रबल समर्थक रहे। उनके अथक प्रयासों से ही कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर कई बालिका विद्यालयों की स्थापना हुई थी और उन्होंने कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी। नारी शिक्षा के लिए गंभीर प्रयास करते हुए उन्होंने बैठने स्कूल की स्थापना की और करीब तीन दर्जन स्कूल खुलवाए। इतना ही नहीं, इन स्कूलों के संचालन के लिए पूरे खर्च की जिम्मेदारी भी उन्होंने स्वयं उठाई थी। दरअसल स्कूलों के खर्च के लिए वे विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए बंगाली में लिखी गई

किताबों की बिक्री से फंड जुटाते थे। स्थानीय बांग्ला भाषा तथा ल?कियों की शिक्षा के लिए उन्होंने स्कूलों की एक श्रृंखला के साथ कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी। ब्रिटिश शासनकाल में ऐसे कॉलेज विरले ही होते थे, जिनका संचालन पूर्ण रूप से भारतीयों के ही हाथों में हो और जहां पढ़ने वाले सभी शिक्षक भी भारतीय ही हों किन्तु ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने कोलकाता में वर्ष 1872 में विद्यासागर कॉलेज की स्थापना कर यह कारनामा भी कर दिखाया था। बंगाल समाज के लिए किए गए इसी प्रकार के अनेक कार्यों की वजह से ही उन्हें बंगाल पुनर्जागरण का प्रमुख स्तंभ माना जाता है। समाज सुधार तथा समाज की भलाई के लिए किए जाने वाले कार्यों के चलते ही उन्हें गरीबों और दलितों का संरक्षक तथा महान् समाज सुधारक के रूप में जाना जाने लगा। भारतीय समाज में आज भी ईश्वरचंद्र विद्यासागर को स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, लेखक, शिक्षाविद्, दार्शनिक इत्यादि अनेक रूपों में स्मरण किया जाता है। 29 जुलाई 1891 को यह महान् शख्सियत हमेशा के लिए अटल शून्य में विलीन हो गई। हमेशा समाज की भलाई के लिए सोचने और समाज के लिए कुछ अलग करते रहने के कारण ही उन्हें एक महान् समाज सुधारक के रूप में राजा राममोहन राय का उत्तराधिकारी भी माना जाता रहा है। नैतिक मूल्यों के संरक्षक और महान शिक्षाविद विद्यासागर का मानना था कि अंग्रेजी और संस्कृत भाषाओं के ज्ञान का समन्वय करके ही भारतीय और पाश्चात्य परंपराओं के श्रेष्ठ को हासिल किया जा सकता है।

(लेखिका- श्वेता गोयल)



का करियर तीन बुनियादी प्रश्नों से तय किया जाना चाहिये। पहला; वह क्या बनना चाहता है, दूसरा; वह क्या बन सकता है और तीसरा; वह क्या बनने के काबिल है? चूंकि हमारे समाज बच्चों में मौलिक सोच विकसित होने की गुंजाइश कम होती है इसलिए वह आसानी से बाहरी दुनिया से प्रभावित हो जाता है। नतीजा यह कि अक्सर पहले प्रश्न के पीछे साधियों का सोच और तत्कालीन सामाजिक धारा का प्रभाव होता है और दूसरे प्रश्न के पीछे माता पिता की महत्वाकांक्षा। तीसरे प्रश्न का उत्तर किसी भी बच्चे के व्यक्तित्व की बनावट और उसकी बौद्धिक क्षमता में मौजूद होता है लेकिन इन दोनों का सही आकलन न होने से सामाजिक दबाव और माता पिता की महत्वाकांक्षा ही ज्यादा असरदार साबित होते हैं। इसीलिये अधिकांश मातापिता द्वारा बच्चों को उनकी इच्छा के विपरीत और क्षमता के बाहर की पढ़ाई करने का दबाव डाला जाता है। और यह समस्या तब और भी गम्भीर हो जाती है जब बच्चों को महंगी कोचिंग क्लास में भेजा जाता है। पहले दसवीं कक्षा के बाद कोचिंग का फैशन था लेकिन भीषण प्रतिस्पर्धा के चलते अब कई कोचिंग संस्थान आठवीं कक्षा के बाद ही नीट या जेईई की तैयारी शुरू करवा देते हैं। इस कोचिंग कोर्स का लाखों खर्च के कारण मातापिता बच्चों को बीच बीच में याद

दिलाते रहते हैं कि उन्हें हर हाल में सफल होना है। मातापिता भले ही इसे प्रेरणा समझें लेकिन यह बच्चों को और अधिक तनाव में डाल देता है। कोचिंग क्लास की कठिन दिनचर्या कुछ इस तरह है कि छात्र को परम्परागत स्कूल छोड़ना पड़ता है और उनका प्रवेश ऐसे डमी स्कूलों में करवा दिया जाता है जहां सिर्फ उनकी हाजिरी दिखाई जाती है। चूंकि छात्र स्कूल के वातावरण से वंचित रहते हैं इसलिये उन्हें किशोरावस्था में सामंजस्य, समझौता, सहयोग, और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सीखने का अवसर ही नहीं मिलता। इसके बजाय वे कोचिंग के तनावपूर्ण माहौल में एक दूसरे से आगे निकलने के हुनर सीखते रहते है। इससे छात्रों का मानसिक और भावनात्मक विकास नहीं हो पाता और भावी जीवन में किसी भी कठिनाई और असफलता से छात्र टूट जाते हैं और कमजोर क्षणों में आत्मघात जैसे कठोर कदम भी उठा लेते हैं।उपभोक्तावाद से प्रेरित समाज की सोच मातापिता की महत्वाकांक्षा तक पहुँच कर रुक गयी है। इसी का नतीजा है कि देश भर के नामी इंजीनियरिंग और मेडीकल संस्थानों में दाखिले के बावजूद बच्चे दबाव और तनाव में रहते हैं। कोचिंग के गलाकाट प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में सालों साल कोशिश करते रहने के परिणामस्वरूप ऐसे कई छात्रों की मानसिक स्थिति बेहद नाजुक और कमजोर हो जाती है और नामी संस्थानों में पढ़ाई का दबाव उन्हें निराशा और अवसाद में धकेल देता है। नतीजा यह कि आत्महत्या की घटनाएं निरन्तर जारी है। लेकिन हम हैं कि समस्या को अजीबोगरीब रंग देकर अगली दुर्घटना का इंतजार करने लगते हैं। इस लीलापाती के मूल में यह भय है कि असलियत सामने आते ही उसे स्वीकार करना मुश्किल होगा। और असलियत यही है कि इन आत्महत्याओं के वास्तविक जिम्मेदार महत्वाकांक्षी मातापिता और दिग्भ्रमित समाज हैं। हर आत्महत्या पर किसी को बलि का बकरा बना देने से आत्महत्याएं नहीं रुकेगी। शिक्षाशास्त्रिज्यों, मनोवैज्ञानिकों और योजनाकारों को पूरी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करना पड़ेगा तब हम आत्महत्याएं रोक पायेंगे।

(लेखक- डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव)

परमाणु ताकत में रूस दुनिया मे सबसे आगे, भारत बना रहा है डिलेवरी सिस्टम को आधुनिक

दुनिया में बदलते सामरिक समीकरणों, बढ़ते तनाव और कई क्षेत्रों में जारी संघर्षों के बीच परमाणु हथियार आज भी राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा बने हुए हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी एसआईपीआरआई की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक दुनिया के नौ परमाणु हथियार संपन्न देशों के पास अनुमानित 12,187 परमाणु हथियार थे। इनमें करीब 9,745 हथियार सैन्य भंडार में संभावित इस्तेमाल के लिए उपलब्ध माने गए हैं। लगभग 4,012 परमाणु हथियार मिसाइलों और परिचालन वाले विमानों के साथ तैनात थे। जनवरी 2025 की तुलना में यह संख्या करीब 100 अधिक है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2,100 से 2,200 परमाणु हथियार बैलैलिस्टिक मिसाइलों पर उच्च परिचालन सतर्कता की स्थिति में थे और इनमें लगभग सभी रूस तथा अमेरिका के थे। रूस और अमेरिका के पास सबसे बड़ा परमाणु जखीरा परमाणु हथियारों की संख्या के मामले में रूस सबसे आगे है। एसआईपीआरआई के अनुमान के अनुसार रूस के पास करीब 5,420 और अमेरिका के पास करीब 5,042 परमाणु हथियार हैं। दोनों देशों के पास मिलाकर दुनिया के सैन्य परमाणु भंडार का करीब 83 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद चीन करीब 620 परमाणु हथियारों के साथ तीसरे स्थान पर है। फ्रांस के पास करीब 370 और ब्रिटेन के पास करीब 225 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। भारत करीब 190 के साथ छठे और पाकिस्तान करीब 170 के साथ सातवें स्थान पर है। इजराइल के पास करीब 90 और उत्तर कोरिया के पास करीब 60 परमाणु हथियार होने का अनुमान है।

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि परमाणु शक्ति का वैश्विक संतुलन अभी भी मुख्य रूप से रूस और अमेरिका के इर्द-गिर्द केंद्रित है। हालांकि चीन की दिशा भी महत्वपूर्ण हो गई है। एसआईपीआरआई के अनुसार चीन अपने

परमाणु जखीरे का विस्तार किसी भी अन्य परमाणु शक्ति की तुलना में तेज गति से कर रहा है। उसके पास जनवरी 2026 तक करीब 620 परमाणु हथियार होने का अनुमान है और वह बड़ी संख्या में मिसाइल प्रणालियों को विकसित और तैनात कर रहा है। चीन के परमाणु आधुनिकीकरण का असर एशिया के सामरिक संतुलन पर भी पड़ता है। भारत की स्थिति को केवल परमाणु हथियारों की संख्या से नहीं देखा जा सकता। किसी देश की सैन्य शक्ति में परमाणु क्षमता के साथ मिसाइल प्रणाली, समुद्री शक्ति, वायुसेना, थलसेना, अंतरिक्ष आधारित निगरानी, साइबर क्षमता, रक्षा उद्योग और आधुनिक तकनीकी की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। इस दृष्टि से भारत दुनिया की प्रमुख सैन्य शक्तियों में शामिल है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर करीब 92.1 अरब डॉलर हो गया और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश रहा। अमेरिका 954 अरब डॉलर के साथ पहले, चीन 336 अरब डॉलर के साथ दूसरे और रूस 190 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर था। भारत की सुरक्षा स्थिति अन्य परमाणु देशों से अलग है। भारत के सामने पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में चीन जैसी दो परमाणु हथियार संपन्न शक्तियां हैं। दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं और रणनीतिक नीतियों का भारत की सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है। चीन के पास भारत की तुलना में परमाणु हथियारों का अनुमानित जखीरा तीन गुने से भी अधिक है और उसका परमाणु आधुनिकीकरण तेज गति से जारी है। दूसरी ओर पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। यही कारण है कि भारत के लिए सैन्य शक्ति को लगातार आधुनिक बनाना महत्वपूर्ण है। सीमा सुरक्षा केवल सैनिकों की संख्या या परमाणु हथियारों की संख्या से तय नहीं होती। आधुनिक मिसाइल रक्षा, वायु

सुरक्षा, समुद्री निगरानी, लड़ाकू विमान, पनडुब्बियां, ड्रोन, अंतरिक्ष तकनीक, साइबर सुरक्षा और स्वदेशी रक्षा उत्पादन आज राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण आधार हैं। दुनिया के बड़े देशों में सैन्य खर्च बढ़ने का एक कारण भी यही बदलता हुआ सुरक्षा वातावरण है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2.9 प्रतिशत बढ़कर करीब 2.9 लाख करोड़ डॉलर के बराबर पहुंच गया और लगातार 11वें वर्ष इसमें वृद्धि हुई। अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत दुनिया के पांच सबसे बड़े सैन्य खर्च करने वाले देश रहे। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह सुरक्षा जरूरतों और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखते हुए अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत करे। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन बढ़ने से न केवल सुरक्षा मजबूत होती है बल्कि विदेशी निर्भरता भी कम होती है। आधुनिक तकनीक और अनुसंधान में निवेश आने वाले समय में परंपरिक हथियारों की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। मजबूत प्रतिरोधक क्षमता ही सुरक्षा की आधारशिला परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाना अपने आप में किसी देश को अधिक सुरक्षित बनाने का एकमात्र रास्ता नहीं है। परमाणु शक्ति का वास्तविक महत्व विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता, सुरक्षित कमान और नियंत्रण तथा ऐसी क्षमता में है जिससे किसी भी संभावित हमले की स्थिति में प्रभावी जवाब दिया जा सके। भारत लंबे समय से विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता और प्रथम प्रयोग न करने की नीति की बात करता रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत अपनी परमाणु नीति में विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता और प्रथम प्रयोग न करने की नीति के प्रति प्रतिबद्ध है। वर्तमान वैश्विक परिस्थिति में भारत को अपनी सुरक्षा

नीति का लगातार मूल्यांकन करते रहना होगा। रूस और अमेरिका के विशाल परमाणु जखीरे, चीन के तेजी से बढ़ते परमाणु भंडार और पाकिस्तान की परमाणु क्षमता के बीच भारत के लिए रणनीतिक संतुलन बनाए रखना आसान नहीं है। इसके साथ ही आधुनिक युद्ध का स्वरूप भी बदल रहा है। अब केवल परमाणु हथियार ही नहीं बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर तकनीक, ड्रोन, अंतरिक्ष और सैन्य मारक क्षमता भी युद्ध की दिशा प्रभावित कर सकती है। इसलिए भारत को अपनी रक्षा शक्ति को व्यापक आधार पर मजबूत करना होगा। स्वदेशी रक्षा उत्पादन, अत्याधुनिक अनुसंधान, मजबूत सीमाई ढांचा, समुद्री सुरक्षा, वायु शक्ति और विश्वसनीय रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता पर लगातार निवेश आवश्यक है। किसी भी देश को सुरक्षा केवल बयानबाजी से नहीं बल्कि उसकी वास्तविक क्षमता से सुनिश्चित होती है। एसआईपीआरआई ने यह भी चेतावनी दी है कि दुनिया में परमाणु हथियारों के आधुनिकीकरण के साथ गलत आकलन और तनाव बढ़ने का खतरा भी बढ़ रहा है। इसलिए भारत के सामने चुनौती दोहरी है। उसे अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पर्याप्त और विश्वसनीय सैन्य क्षमता बनाए रखनी है और साथ ही परमाणु टकराव के जोखिम को नियंत्रित रखने के लिए जिम्मेदार नीति भी अपनानी है। रूस का विशाल परमाणु जखीरा, अमेरिका की व्यापक सैन्य क्षमता और चीन का तेजी से बढ़ता सामरिक ढांचा यह संकेत देता है कि आने वाला समय तकनीकी और रणनीतिक रूप से और अधिक प्रतिस्पर्धी होगा। भारत को इस बदलती दुनिया में अपनी सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करते हुए आर्थिक शक्ति, तकनीकी आत्मनिर्भरता और सैन्य क्षमता तीनों को साथ लेकर चलना होगा। यही दीर्घकालीन राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूत आधारशिला बन सकती है।

(लेखक- कांतिलाल मांडोट)

गणेश प्रतिमाओं का विधि-विधान से विसर्जन, निगम ने चाक-चौबंद की व्यवस्थाएं

07 स्थायी घाट और 29 अस्थायी कुंडों पर 27616 प्रतिमाओं का विसर्जन

श्राद्ध पक्ष शुरू होने से पहले घाटों की सफाई पर भी जोर

गोपाल, यश भारत ।

अनंत चतुर्दशी पर राजधानी में भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए नगर निगम द्वारा की गई व्यवस्थाओं के चलते श्रद्धालुओं ने सुगमता और सुरक्षित तरीके से प्रतिमाओं का विसर्जन किया। शहर के सात प्रमुख स्थायी विसर्जन घाटों और 29 अस्थायी विसर्जन कुंडों पर समाचार लिखे जाने तक करीब 26404 छोटी और 1212 बड़ी प्रतिमाओं सहित कुल 27616 प्रतिमाओं का विधि-विधान एवं ससम्मान विसर्जन कराया जा चुका था।

निगम ने विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के लिए क्रेन, नाव, गोताखोर और दमकल दल की तैनाती की थी। घाटों और पहुंच मार्गों पर सफाई,



प्रकाश तथा पेयजल की व्यवस्था के साथ नियंत्रण कक्ष भी बनाए गए।

श्राद्ध पक्ष को लेकर सफाई पर विशेष ध्यान

गणेश विसर्जन के साथ ही शनिवार से श्राद्ध पक्ष भी शुरू हो रहा है। ऐसे में निगम के सामने विसर्जन स्थलों और आसपास के क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी भी है। निगम द्वारा घाटों पर जमा निर्माल्य और अन्य अपशिष्ट को अलग-अलग एकत्र कर निष्पादन की व्यवस्था की गई है, ताकि श्राद्ध पक्ष के दौरान घाटों और जलस्रोतों के आसपास स्वच्छता बनी रहे।

विशेष वाहनों की व्यवस्था की गई। आयुक्त ने घाटों का किया निरीक्षण निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने शुक्रवार को शाहपुरा, हथाईखेड़ा, खटलापुरा, रानी कमलापति और प्रेमपुरा विसर्जन घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं लगातार बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही पूजा सामग्री के लिए सूखे और गोले निर्माल्य को अलग-अलग रखने तथा विसर्जन के बाद घाटों की तत्काल सफाई कराने पर जोर दिया। विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। प्रेमपुरा में करीब 5000 छोटी और 260 बड़ी, रानी कमलापति में 2000 छोटी और 40 बड़ी, खटलापुरा में 3335 छोटी और 56 बड़ी, शाहपुरा में 6300 छोटी और 405 बड़ी, बैरागढ़ में 2200 छोटी और 85 बड़ी, मालीखेड़ी में 2400 छोटी और 109 बड़ी तथा हथाईखेड़ा में 1300 छोटी और 257 बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया।



तहसील चौराहे पर नारेबाजी, मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूँका

आष्टा, यश भारत ।

मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं के विरोध में शुक्रवार को ग्रामीण और नगर कांग्रेस के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने तहसील चौराहे पर प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूँका गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए मतदाता सूची की पारदर्शी जांच कराने की मांग की।

कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी द्वारा मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर लगाए गए आरोपों का हवाला देते हुए कहा कि मतदाताओं के नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया सार्वजनिक एवं पारदर्शी होनी चाहिए। कांग्रेस ने फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग से मतदाताओं के नाम हटाए जाने का आरोप लगाते हुए पूरी मतदाता सूची सार्वजनिक करने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान वोट चोर गद्दी छोड़ी और चुनाव आयोग होश में आओ के नारे लगाए गए। प्रदर्शन में एआईसीसी सदस्य हरपाल सिंह ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य कमल सिंह चौहान, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महेश मुंदिखेड़ी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष जाहिद खान गुड्डू, जितेंद्र शोभाखेड़ी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गंदगी फैलाने वालों पर नगर निगम ने होटल पर हुई कार्रवाई, हुआ जुर्माना

गोपाल यश भारत ।

राजधानी को स्वच्छ और साफ-सुथरा बनाने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार सफाई अभियान चलाया जा रहा है। शहर के अलग-अलग वार्डों में सफाई व्यवस्था की निगरानी के साथ गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। निगम की टीमों लोगों और प्रतिष्ठानों को कचरा नालियों खुले स्थानों और सीवेज चेंबर में नहीं डालने की समझाइश भी दे रही है। इसके बावजूद कुछ प्रतिष्ठानों द्वारा स्वच्छता नियमों की अनदेखी किए जाने के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला जोन 13 के वार्ड-52 का है जहां बैस्टियन होटल द्वारा किचन वेस्ट सीवेज चेंबर में डाले जाने की शिकायत पर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग और सीवेज टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान सीवेज चेंबर में किचन वेस्ट डाले जाने की पुष्टि होने पर निगम की टीम ने होटल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 20 हजार का स्पॉट फाइन लगाया। नगर निगम की इस



कार्रवाई से साफ है कि स्वच्छता नियमों की अनदेखी करने वाले प्रतिष्ठानों पर अब सख्ती की जा रही है। निगम की ओर से लोगों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से अपील की गई है कि कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें और नालियों व सीवेज चेंबर में किसी भी तरह का कचरा न डालें। नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माने के साथ अन्य कार्रवाई भी की जा सकती है।

समझाइश के बाद अब सीधे कार्रवाई

नगर निगम की कार्रवाई के बाद यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि शहर को गंदगी से मुक्त रखने के अभियान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निगम का कहना है कि नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

सिंहस्थ 2028 में, इस बार भी महत्वपूर्ण भूमिका में रहेंगे-स्काउट-गाइड

जबलपुर। मुख्यमंत्री आवास भोपाल में माननीय मुख्यमंत्री मधुप्रदेश शासन के साथ भारत स्काउट्स एवं गाइड्स मधुप्रदेश के समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों एवं जो जिला मुख्य आयुक्तों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में स्काउटिंग एवं गाइडिंग को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों के हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री जी ने स्काउट-गाइड विद्यार्थियों को मार्कशीट में, उचित बोनस अंक प्रदान करने सहित कई महत्वपूर्ण सौगातें देने का आश्वासन दिया। साथ ही सिंहस्थ 2028 में स्काउट एवं गाइड को 'सेवा दूत' के रूप में सेवाएं देने की योजना पर, अत्याधुनिक तरीके से कार्य करने, ट्रेनिंग, तैयारी की चर्चा हुई। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत स्काउट एंड गाइड सदैव सिंहस्थ कुर्भ में अग्रिम पंक्ति में रहकर श्रद्धालुओं की सहायता, मार्गदर्शन, सेवा एवं विभिन्न व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण सहयोग के लिए सक्रिय भूमिका के लिए जाना जाता है। बैठक में जबलपुर जिले का प्रतिनिधित्व जिला शिक्षा अधिकारी श्री गौतम बर्वे जी एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला जबलपुर के चीफ कमिश्नर डॉ. विजयकांत तिवारी ने किया।

मानवता का महापर्व: रक्तदान शिविर बैरागढ़ में आज

संत निरंकारी चैरोटेबल फाउण्डेशन द्वारा 26 सितम्बर (शनिवार) को बैरागढ़ स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन (स्काईलैंड गार्डन के पास) में शासकीय हमीरिया ब्लड बैंक के सहयोग से विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसका समय प्रातः 9:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक रहेगा। बांच संयोजक महेश वीधानी ने सभी से इस परोपकारी सेवा में सहभागी बनने और दूसरों को प्रेरित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि मानव शरीर ही रक्त देने का एकमात्र जरिया है, और हमारा एक युनिट रक्त किसी पीड़ित की जान बचा सकता है। यह शिविर 'रक्त नाड़ियों में बहे, नालियों में नहीं' के संदेश को चरितार्थ करने का प्रयास है। बात दें वर्ष 2012 से निरंतर आयोजित हो रहे इस शिविर में वर्ष 2025 में 505 युनिट रक्तदान हुआ था। सेवादल द्वारा शिविर की सभी व्यवस्थाएँ पूर्ण कर ली गई हैं।

विधि-विधान से शुरू हुआ निर्माण, विधायक ने 11 लाख रुपये देने की घोषणा की बुधवारा के प्राचीन श्रीराम मंदिर के पुनर्निर्माण का शुभारंभ

आष्टा, यश भारत ।

बुधवारा क्षेत्र स्थित अति प्राचीन श्रीराम मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ अनंत चतुर्दशी के अवसर पर विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ किया गया। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर और महामंडलेश्वर दीपकदास महाराज ने पूजन कर निर्माण कार्य की शुरुआत की। मंदिर पुनर्निर्माण को लेकर श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों में उत्साह देखा गया। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने मंदिर निर्माण के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह मंदिर नगर की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने पुराने आष्टा की पहाड़ी स्थित मंदिर तक पहुंच मार्ग के लिए दो करोड़ रुपये से अधिक की लागत से कराए गए निर्माण कार्य की जानकारी भी दी। महामंडलेश्वर दीपकदास महाराज ने



कहा कि प्राचीन मंदिरों का संरक्षण और पुनर्निर्माण धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का माध्यम है। मंदिर समिति अध्यक्ष गोविंद सोनी बहुरानी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए निर्माण में सहयोग की अपील की। कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, श्रद्धालु और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

नमामि भारतम् में 150 वर्ष की यात्रा पर मंथन, विद्यार्थियों ने किया सामूहिक गायन

वंदे मातरम् की गूंज में दिखी संघर्ष और स्वाभिमान की कहानी

गोपाल यश भारत ।

वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा को केंद्र में रखकर शुक्रवार को सरस्वती विद्या मंदिर हर्षवर्धन नगर में नमामि भारतम् कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों शिक्षकों युवाओं और नागरिकों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। इस दौरान वक्ताओं ने इसके ऐतिहासिक महत्व और स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े संदर्भों पर विचार रखे। मुख्य वक्ता सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. राजकुमार मालवीय ने कहा कि वंदे मातरम् को केवल एक गीत के रूप में नहीं बल्कि मातृभूमि के प्रति श्रद्धा



स्वाभिमान और राष्ट्रचेतना से जुड़े भाव के रूप में समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसकी 150 वर्ष की यात्रा भारत के संघर्ष त्याग और राष्ट्रीय चेतना से जुड़े

अनेक प्रसंगों को समेटे हुए है। नई पीढ़ी को इसके शब्दों के साथ उनके ऐतिहासिक संदर्भ की जानकारी भी होनी चाहिए। डॉ. मालवीय ने वंदे मातरम् की रचना

से लेकर राष्ट्रीय आंदोलन में इसकी भूमिका तक की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 1875 में इसकी रचना की थी। 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में इसके गायन का उल्लेख मिलता है जबकि 1905 के बंग भंग आंदोलन के दौरान यह व्यापक राष्ट्रीय उद्घोष बना। विद्या भारती के तत्वावधान में हुए आयोजन में सुबह 11 बजे एक साथ सामूहिक गायन हुआ। वरिष्ठ नेता महेश जोशी ने भी विचार रखे। अध्यक्षता कर रहे डॉ. सुनील राय ने कहा कि राष्ट्रभाव को जीवन में उतारना जरूरी है।

मालवा और सोमनाथ एक्सप्रेस अब भोपाल की बजाय निशातपुरा में रुकेंगी

गोपाल, यश भारत ।

रेल यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण बदलाव के तहत 26 सितंबर 2026 से मालवा एक्सप्रेस और सोमनाथ एक्सप्रेस का ठहराव भोपाल स्टेशन की बजाय निशातपुरा स्टेशन पर होगा। परिचम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन ट्रेनों को संत हिरदाराम नगर-निशातपुरा कॉर्ड लाइन से चलाने का निर्णय लिया है। इसके चलते दोनों ट्रेनें भोपाल स्टेशन को बायपास करेंगी। गाड़ी संख्या 12919/12920 डॉ. अंबेडकर नगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा मालवा एक्सप्रेस प्रतिदिन निशातपुरा स्टेशन पर रुकेगी। 12919 मालवा एक्सप्रेस शाम 5.20 बजे निशातपुरा पहुंचेगी और 5.30 बजे खाना होगी। वापसी में गाड़ी संख्या 12920 सुबह 7.25 बजे निशातपुरा पहुंचेगी और 7.35 बजे प्रस्थान करेगी।

सोमनाथ एक्सप्रेस भी निशातपुरा से चलेगी

गाड़ी संख्या 11465 जबलपुर-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस सप्ताह में दो दिन निशातपुरा स्टेशन पर सुबह 6.40 बजे पहुंचेगी और 6.45 बजे खाना होगी। वहीं गाड़ी संख्या 11466 वेरावल-जबलपुर सोमनाथ एक्सप्रेस रात 8.10 बजे निशातपुरा पहुंचेगी और 8.15 बजे प्रस्थान करेगी।

बेटियों ने हुनर से संवारा भविष्य

वन विभाग के प्रशिक्षण से मिली नौकरी



शाहनगर, यशभारत। क्षेत्र के छोटे-छोटे गांवों से निकलकर कौशल प्रशिक्षण के जरिए रोजगार हासिल करने वाली बेटियों ने शाहनगर का नाम रोशन किया है। मध्यप्रदेश शासन वन विभाग, दक्षिण वन मंडल पन्ना के ग्रीन इंडिया मिशन के तहत संचालित प्रशिक्षण केंद्र शाहनगर से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली प्रतीक्षा दुबे, सरस्वती, शिवानी और प्रतीक्षा गर्ग अब आत्मनिर्भर बनकर स्वास्थ्य क्षेत्र में सेवाएं दे रही हैं।

जीडीए प्रशिक्षण पूरा करने के बाद प्रतीक्षा दुबे, सरस्वती, शिवानी और प्रतीक्षा गर्ग को रोजगार के अवसर मिले। वर्तमान में ये छात्राएं मेवांता हॉस्पिटल इंदौर और सेल्वी हॉस्पिटल जबलपुर में नर्सिंग सेवाएं प्रदान कर रही हैं। ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर रोजगार हासिल करने वाली इन बेटियों की उपलब्धि क्षेत्र की अन्य छात्राओं के लिए भी प्रेरणा बनी है।

आयोजित 'सेवा पर्व' अभियान के तहत इन छात्राओं की उपलब्धि को सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में सांसद द्वारा छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान मिलने पर छात्राओं में उत्साह नजर आया।

यह सम्मान महज प्रमाण-पत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के परिश्रम, लगन और कौशल के जरिए आत्मनिर्भर बनने की कहानी भी है। प्रशिक्षण के बाद इन छात्राओं ने रोजगार हासिल कर अपने भविष्य को नई दिशा दी है और परिवार के साथ क्षेत्र का नाम भी रोशन किया है। वन विभाग के ग्रीन इंडिया मिशन के तहत संचालित प्रशिक्षण केंद्र से ग्रामीण युवतियों को रोजगारपरक प्रशिक्षण मिलने से उनके लिए रोजगार की संभावनाएं बढ़ी हैं। इन बेटियों की सफलता से यह भी सामने आया है कि गांवों में उपलब्ध कराए जाने वाले कौशल प्रशिक्षण का सही अवसर मिलने पर छात्राएं अपने हुनर को रोजगार में बदलकर आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

रिमझिम बारिश में गूंजा 'गणपति बप्पा मोरया'

भावभीनी विदाई के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन बारिश के बीच उमड़ा आस्था का सैलाब, जयकारों के साथ श्रद्धालुओं ने दी बप्पा को विदाई

शाहनगर, यशभारत। गणपति बप्पा की भक्ति में डूबे शाहनगर सहित पूरे क्षेत्र में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। सुबह से आसमान में बादल छाए रहे और दिनभर रिमझिम बारिश होती रही। इसके बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। शाम करीब 5 बजे से घरों और पंडालों में विराजमान



भगवान गणेश की प्रतिमाओं को श्रद्धालु विसर्जन गोद में उठाया तो कई श्रद्धालु सजे-धजे वाहनों के लिए लेकर निकलने लगे। किसी ने प्रतिमा को बप्पा को लेकर विसर्जन स्थल पहुंचे।

विसर्जन यात्रा के दौरान रास्तेभर 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयकारे गूंजते रहे। बारिश के बीच श्रद्धालु भक्ति में सराबोर नजर आए। विसर्जन से पहले भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई और सुख-समृद्धि की कामना के साथ प्रतिमाओं को विदाई दी गई। महिलाओं, युवाओं और बच्चों में भी विशेष उत्साह दिखाई दिया। विसर्जन के दौरान रिमझिम बारिश ने माहौल को और भावुक बना दिया। श्रद्धालुओं ने नम आंखों और जयकारों के बीच बप्पा को विदाई दी तथा अगले वर्ष फिर से आगमन की कामना की। शाहनगर सहित आसपास के क्षेत्रों में गणेश विसर्जन का दृश्य आस्था, भक्ति और उमंग के संगम के रूप में नजर आया।

कन्या महाविद्यालय की टीम बनी विजेता गौरी बहल, कीर्ति यादव और सोनम हल्दकर का संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

कटनी, यशभारत। बरही महाविद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय महाविद्यालयीन बैडमिंटन प्रतियोगिता में शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। बरही महाविद्यालय की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम में आराधना रैदास, गौरी बहल, कीर्ति यादव, सोनम हल्दकर और प्रांतिका सिंह शामिल रहीं। छात्राओं ने प्रतियोगिता के दौरान खेल कौशल, अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर गौरी बहल, कीर्ति यादव और सोनम हल्दकर का चयन संभाग स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए किया गया है। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन जबलपुर में होगा। महाविद्यालय के स्पोर्ट्स ऑफिसर नागेंद्र यादव के मार्गदर्शन में छात्राओं ने प्रतियोगिता की तैयारी की। उनकी इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात सहित महाविद्यालय परिवार ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। छात्राओं की जीत से महाविद्यालय में हर्ष का माहौल है।



पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना में 30 सितंबर तक कर सकते हैं आवेदन

कटनी, यशभारत। पत्रकार स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना के तहत पत्रकारों की मांग पर ऑनलाइन आवेदन की तिथि 25 सितंबर से बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी गयी है। पत्रकार बंधु अब 30 सितम्बर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर योजना में शामिल हो सकते हैं।

27,454 हितग्राहियों की ई-केवाईसी बाकी

कटनी, यशभारत। खाद्य विभाग अब लंबित ई-केवाईसी को पूरा कराने के लिए गांवों तक पहुंचने जा रहा है। 3 और 4 अक्टूबर को विकासखंड स्तर पर सेवा सेतु कैंप लगाए जाएंगे। जिले में 27 हजार 454 हितग्राहियों की ई-केवाईसी लंबित है, जिसे शिविरों के जरिए पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। कैंप में पात्र हितग्राहियों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली की योजनाओं की जानकारी देने के साथ ई-केवाईसी, मोबाइल नंबर सीडिंग और राशन से जुड़ी शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और सीएम जनसेवा से प्राप्त शिकायतों पर भी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा राशन दुकानों से वितरित गेहूं, चावल और नमक के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच की प्रक्रिया भी की जाएगी। विभाग का फोकस लंबित ई-केवाईसी और हितग्राहियों से जुड़ी समस्याओं को मौके पर ही दूर करने पर रहेगा।

महाकौशल रिफ्रेक्ट्रीज पहुँचा प्रशासन, औद्योगिक गतिविधियों का लिया जायजा

स्लीमनाबाद की इकाई में निर्माण और उत्पादन प्रक्रिया देखी, पर्यावरण संरक्षण के लिए किया पौधरोपण

कटनी, यशभारत। जन-विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर आशीष तिवारी, एसपी अभिनय विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर और डीएफओ गर्वित गंगवार ने स्लीमनाबाद स्थित महाकौशल रिफ्रेक्ट्रीज का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने परिसर में संचालित और निर्माणाधीन इकाइयों को देखा



तथा निर्माण प्रक्रिया, उत्पादन गतिविधियों और मौजूदा व्यवस्थाओं की जानकारी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों से ली। निरीक्षण के दौरान औद्योगिक इकाई में चल रही गतिविधियों का मौके पर जायजा लिया गया। औद्योगिक विकास के

साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिकारियों ने परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण भी किया। अधिकारियों ने लगाए गए पौधों की देखभाल और हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

धान में कीट का खतरा, गांव-गांव फसल की निगरानी



कृषि विभाग की टीम खेतों में पहुंचकर किसानों को दे रही सलाह

कटनी, यशभारत। धान की फसल में कीट प्रकोप की आशंका को देखते हुए कृषि विभाग ने गांव-गांव निगरानी शुरू कर दी है। कृषि विस्तार अधिकारी खेतों में पहुंचकर फसलों की स्थिति देख रहे हैं और किसानों को कीट नियंत्रण के उपाय बता रहे हैं। अधिकारियों ने किसानों को धान में ब्राउन प्लांट हॉपर यानी भूरा माहु की निगरानी करने की सलाह दी है। खेत में पानी लगातार भरा रखने के बजाय निकासी की व्यवस्था करने और जरूरत के अनुसार दो-तीन दिन खेत सूखा रखने को कहा गया है। विभाग ने अत्यधिक नाइट्रोजन और यूरिया के इस्तेमाल से बचने की सलाह भी दी है। कीट दिखाई देने पर कृषि विशेषज्ञों की अनुशंसा के अनुसार ही कीटनाशकों का उपयोग करने के लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इससे फसल को नुकसान से बचाने के साथ अनावश्यक रासायनिक दवाओं के इस्तेमाल पर भी रोक लगाई जा सकेगी।

पटवारियों की आपत्तियों पर बनी सहमति

कानूनी प्रावधान और कार्यप्रक्रिया स्पष्ट होने के बाद कार्य प्रगति में फोकस

कटनी, यशभारत। स्वामित्व योजना 2026 के क्रियान्वयन को लेकर पटवारी संघ की ओर से उठाए गए मुद्दों के बाद शासन स्तर पर समाधान की पहल की गई। मंत्री समूह के साथ हुई चर्चा में पटवारियों की आपत्तियों और कार्यप्रक्रिया से जुड़े बिंदुओं पर विस्तार से विचार किया गया। चर्चा के दौरान योजना के कानूनी प्रावधान, राजस्व अभिलेख तैयार करने की प्रक्रिया और पटवारियों की भूमिका को लेकर स्थिति स्पष्ट की गई। संबंधित बिंदुओं पर सहमति बनने के बाद अब योजना के काम में आ रही प्रक्रियागत अड़चनें दूर होने का रास्ता साफ हुआ है। इसके बाद संबंधित अमले को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। योजना के तहत ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में संपत्तियों के सर्वे, अधिकार अभिलेख तैयार करने और पात्र संपत्ति धारकों को अधिकार पत्र उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाना है।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को मिले नए कपड़े



मड़ई और मुड़वारा-3 केंद्र में पोषण माह के तहत कार्यक्रम, बच्चों और अभिभावकों को संतुलित आहार की जानकारी

कटनी, यशभारत। पोषण माह के तहत जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों और अभिभावकों को पोषण के प्रति जागरूक करने के लिए गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में मड़ई और मुड़वारा-3 आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यक्रम

हुआ। कार्यक्रम में बच्चों को नए कपड़े वितरित किए गए। साथ ही बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और शारीरिक विकास के लिए पोषण और नियमित देखभाल को लेकर जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बच्चों के भोजन में



स्थानीय और पोषक खाद्य पदार्थ शामिल करने की अपील की। पोषण माह के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और नियमित देखभाल को लेकर जागरूकता गतिविधियां लगातार आयोजित की जा रही हैं।

पौधरोपण के साथ बच्चों को बताए कानून के अधिकार, पर्यावरण संरक्षण और विधिक साक्षरता का दिया संदेश



कटनी, यशभारत। दीमर खेड़ा विकासखंड के बंगावन स्थित पदमा पब्लिक स्कूल में पौधरोपण और विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने स्कूल परिसर में पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को कानून से जुड़े सामान्य अधिकारों और उनके महत्व की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण

संरक्षण के साथ बच्चों में अपने अधिकारों और कानूनी प्रावधानों की समझ विकसित करना भी जरूरी है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ की सहभागिता रही। पौधरोपण के जरिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया, वहीं विधिक जागरूकता गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को कानून की बुनियादी जानकारी से जोड़ा गया।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

कटनी, यशभारत। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के 58वें स्थापना दिवस के अवसर पर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें एनएसएस की गतिविधियों और समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान देने वाले स्वयंसेवकों व संबंधित लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेवा, जनजागरूकता और सामाजिक दायित्वों के प्रति एनएसएस की



भूमिका पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने स्वयंसेवकों से सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस दौरान उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभागियों को सम्मान प्रदान किया गया।



दो मिनट में भारत को दो पदक, इन 5 शूटरों ने किया कमाल



नागोया, एजेंसी। एशियन गेम्स-2026 में शुक्रवार को भारत ने महज दो मिनट में दो पदक जीते। पहले 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम स्पर्धा में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्राक्ष पाटिल और नीरज कुमार ने रजत पदक जीता। इसके तुरंत बाद सुरुचि सिंह और कमलजीत की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। शूटिंग में भारत के अब तक 10 पदक हो चुके हैं।

कमलजीत

हरियाणा के रेवाड़ी के रहने वाले कमलजीत ने चोट के कारण एथलेटिक्स छोड़ने के बाद 2019 में शूटिंग शुरू की। आर्थिक परेशानियों के बावजूद उन्होंने अपना सफर जारी रखा। 2023 में जूनियर विश्व चैंपियनशिप में 50 मीटर पिस्टल में स्वर्ण जीतकर पहचान बनाई।



सुरुचि सिंह

हरियाणा के झज्जर की सुरुचि ने 13 साल की उम्र में शूटिंग शुरू की। 2025 में उन्होंने तीन आईएसएसएफ विश्व कप में लगातार व्यक्तिगत स्वर्ण जीते। 2026 में भी उन्होंने विश्व कप स्वर्ण और एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

नीरज कुमार

50 मीटर राइफल 3 पोजीशन के विशेषज्ञ नीरज ने 2022 विश्व चैंपियनशिप में टीम कांस्य जीता। 2026 एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने व्यक्तिगत रजत पदक हासिल किया और टीम स्वर्ण में भी योगदान दिया।

रुद्राक्ष पाटिल

महाराष्ट्र के रुद्राक्ष 10 मीटर एयर राइफल के विशेषज्ञ हैं। 2022 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर वह अभिनव बिंद्रा के बाद इस स्पर्धा में व्यक्तिगत विश्व खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बने। इसी प्रदर्शन के बाद उन्हें विश्व नंबर-1 रैंकिंग भी मिली।

ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर

मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के ऐश्वर्य ने अपने चचेरे भाई और ओलंपियन नवदीप सिंह राठौर को देखकर शूटिंग शुरू की। 2019 में जूनियर विश्व कप में स्वर्ण के साथ जूनियर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

एशियन गेम्स- भारतीय विमेंस हॉकी टीम सेमीफाइनल में जापान को 3-1 से हराया, टीम की लगातार चौथी जीत

नागोया, एजेंसी। भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में जापान को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। नागोया के गिफू प्रिफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए पूल-बी के मुकाबले में भारत ने लगातार चौथी जीत दर्ज की। टीम 12 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है। लालरेमसियामी ह्माजोंटे, इशिका चौधरी और नवनीत कौर ने भारत के लिए गोल किए, जबकि जापान की ओर से शिहो कोबायाकावा ने एक गोल किया।

लालरेमसियामी ने दिलाई बढ़त- भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले क्वार्टर में नवनीत कौर ने गोल की कोशिश की, लेकिन जापानी गोलकीपर यू कुडो ने उनके शॉट को रोक दिया। गोलकीपर के रोकने के बाद गेंद वापस मैदान में आई। इसी गेंद पर लालरेमसियामी ने सबसे पहले पहुंचकर उसे गोलपोस्ट में डाल दिया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। जापान ने पहले क्वार्टर में बराबरी की कोशिश की। उसे पेनल्टी कॉर्नर भी मिला, लेकिन भारतीय कप्तान और गोलकीपर सविता पुनिया ने माहो उड़ाने के प्रयास को रोक दिया।



इशिका के गोल से भारत 2-0 आगे, नवनीत ने बढ़त 3-0 की- भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले क्वार्टर में नवनीत कौर ने गोल की कोशिश की, लेकिन जापानी गोलकीपर यू कुडो ने

उनके शॉट को रोक दिया। गोलकीपर के रोकने के बाद गेंद वापस मैदान में आई। इसी गेंद पर लालरेमसियामी ने सबसे पहले पहुंचकर उसे गोलपोस्ट में डाल दिया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। जापान ने पहले

मुंबई इंडियंस के नये मुख्य कोच बने ल्यूक विलियम्स

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सत्र के लिए ल्यूक विलियम्स को नया मुख्य कोच बनाया है। विलियम्स पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिसा केइटली की जगह कोच बनाये गये हैं। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने अब तक महिला लीग के चार में से दो सत्र जीते हैं, जिससे यह फ्रेंचाइजी लीग की सबसे सफल टीमों में से एक बनी हुई है। अब उसे नये कोच से इस सिलसिले को आगे बढ़ाते रहने की उम्मीद है। मुंबई इंडियंस ने आधिकारिक तौर पर विलियम्स को सत्र से पहले टीम का नया मुख्य कोच घोषित किया। फ्रेंचाइजी ने अपने बयान में बताया, मुंबई इंडियंस ने घोषणा की है कि लिसा ने टीम के हेड कोच पद से हटने का फैसला किया है। उनकी जगह 2027 महिला प्रीमियर लीग सीजन से पहले ल्यूक विलियम्स को नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिसा केइटली ने फ्रेंचाइजी के साथ अपने कार्यकाल को समाप्त करने का निर्णय लिया। मुंबई इंडियंस ने उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। वहीं मुंबई इंडियंस की सह-मालकिन नीता एम अंबानी ने ल्यूक विलियम्स का मुंबई इंडियंस परिवार में स्वागत करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, हम ल्यूक विलियम्स का मुंबई इंडियंस परिवार में स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं। ल्यूक ने



खुद को एक सफल कोच साबित किया है और उनके पास काफी अनुभव, महिला क्रिकेट की गहरी समझ और खिलाड़ियों के विकास के लिए मजबूत प्रतिबद्धता है। अंबानी ने विलियम्स के मार्गदर्शन और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम के भविष्य पर भरोसा जताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विलियम्स के मार्गदर्शन और हरमनप्रीत की कप्तानी में टीम अपनी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाएगी, बड़ी उपलब्धियां हासिल करेगी और युवा लड़कियों को प्रेरित करती रहेगी।

वहीं नए मुख्य कोच ल्यूक विलियम्स ने मुंबई इंडियंस जैसी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी से जुड़ने पर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं मुंबई इंडियंस जैसी प्रतिष्ठित और सफल संस्था से जुड़कर और खिलाड़ियों तथा सपोर्ट स्टाफ के इस प्रतिभाशाली समूह के साथ काम करके बेहद उत्साहित हूं।

रंग संसार

परिणीति ने महिलाओं की बॉडी-शेमिंग करने वाले ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब



हाल ही में अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने महिलाओं की बॉडी-शेमिंग करने वाले ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। पोस्टपार्टम के दौरान महिलाओं के शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर होने वाली चर्चा को अभिनेत्री ने अजीब बताया और सवाल उठाया कि उन्हें इसका सामना क्यों करना पड़ता है। परिणीति ने कहा, मैं इस पर ध्यान नहीं देती क्योंकि मैं इसे देखती ही नहीं हूँ। सच कहूँ तो मुझे इसके बारे में पता भी नहीं चलता, क्योंकि मैं सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताती ही नहीं हूँ और अगर कभी पता चल भी जाए तो इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने अपनी जिंदगी के प्रति अपनी सच्चाई पर जोर देते हुए कहा, मैं अपनी लाइफ को लेकर बहुत सच्ची हूँ, मैं अपने समय, परिवार, दोस्तों और अपनी खुद की जिंदगी को लेकर सच्ची हूँ। अभिनेत्री ने बताया कि वे सोशल मीडिया ट्रोलर्स से परेशान नहीं होती हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, मैं उन अनजान लोगों की बातों से परेशान नहीं होने वाली जो मेरे बारे में बात करते हैं। इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है और मेरे पास इसके लिए समय भी नहीं है। पोस्टपार्टम में वजन बढ़ने को लेकर कैटरिना कैफ की ट्रोलिंग पर परिणीति ने इस तरह की टिप्पणियों को अनपढ़े वाली बताया। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, 2026 में भी महिलाओं को बॉडी शेम किया जाता है तो मुझे ये बहुत ही अनपढ़ता वाली और अजीब बात लगती है कि खासकर उन महिलाओं के बारे में बात की जाती है जो अभी मां बनी हैं। मैं समझ नहीं पाती कि ऐसा क्यों होता है।

छठी मैया गाने में मेकर्स ने हर चीज का रखा ध्यान: तमन्ना भाटिया

मुंबई (यशभारत)। अपनी आगामी फिल्म द वन - फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया नजर आने वाली हैं। बीते दिनों रीलज हुआ इस फिल्म का छठ पूजा स्पेशल गाना छठी मैया (बोले तो छठी मइया सुनीं लीं चिनती हमार) दर्शकों के बीच खूब सराहा जा रहा है। तमन्ना भाटिया इस गाने में पारंपरिक लुक में नजर आ रही हैं और उन्हें मिल रहे अपार प्रेम से वे बेहद खुश हैं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म के जरिए हिंदी सिनेमा में पहली बार इस त्योहार को इतने सम्मान और सच्चाई के साथ मनाया जा रहा है। तमन्ना ने फिल्म के मेकर्स की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रखा है और इस त्योहार को पूरी सच्चाई व संवेदनशीलता के साथ दिखाया है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हिंदी सिनेमा में पहली बार छठ पूजा को इस तरह से पेश किया जा रहा है। सच कहूँ तो दीपक और अरुणाभ सर इसे बहुत अच्छे से समझते हैं, क्योंकि उनके मन में इसके लिए बहुत सम्मान है। शूटिंग के दौरान



उन्होंने हर चीज का ध्यान रखा और इसे बहुत ही खूबसूरती और सम्मान के साथ शूट किया गया। तमन्ना भाटिया ने छठ के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि उनके लिए भी यह त्योहार बहुत मायने रखता है। उन्होंने यह भी कहा कि गाने में इसके सार और भावनाओं को कितनी खूबसूरती से दिखाया गया है। अभिनेत्री ने आगे कहा, छठ पूजा आभार का प्रतीक है। हमारे पास जो कुछ भी है, यह त्योहार उसके प्रति शुक्रगुजार होने का त्योहार है। तमन्ना ने इस गाने का हिस्सा बनाने के लिए मेकर्स का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, तो, मुझे इसका हिस्सा बनाने के लिए

आपका शुक्रिया। अभिनेत्री ने बताया कि छठी मइया का यह गाना हर किसी का ध्यान खींच रहा है और सोशल मीडिया पर इसे सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। उन्होंने फिल्म की अवधारणा पर भी बात की, यह फिल्म हम सभी के लिए बहुत खास है। हमारे देश में बहुत सारी लोक कहानियां हैं और उन्हें बड़े पर्दे पर लाने के लिए बहुत हिम्मत, स्पष्टता और विजन की जरूरत होती है। फिल्म द वन - फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया पहली बार एक साथ काम कर रहे हैं। इनके अलावा, फिल्म में मनीषा पॉल, श्वेता तिवारी, सुनील शोहर और अनूप सोनी भी अहम भूमिकाओं में हैं।



महज कुछ छोटे क्लिप्स देखकर कोई राय न बनाएं: जेबा



हाल ही में बिग बॉस-20 के कंटेस्टेंट आसिफ खान की पत्नी जेबा ने उनके और शो की साथी कंटेस्टेंट लव गिल की बढ़ती कथित नजदीकियों को लेकर चुप्पी तोड़ी है। सोशल मीडिया पर जेबा ने लोगों से अपील की है कि वे महज कुछ छोटे क्लिप्स देखकर कोई राय न बनाएं, बल्कि 24 घंटे की लाइव फीड देखकर ही किसी नतीजे पर पहुंचें। दरअसल, बिग बॉस के घर के अंदर से आसिफ और लव के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए थे, जिसके बाद कुछ लोगों ने उनकी दोस्ती पर सवाल उठाए और कयास लगाए कि इससे आसिफ की शादी पर असर पड़ सकता है। इन अटकलों और ट्रोलिंग से आहत जेबा ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने लोगों को गलत धारणाएं बनाने से परहेज करने की बात कही और स्थिति स्पष्ट की। जेबा ने अपने नोट में लिखा, आसिफ की पत्नी होने के नाते मैं ये बात साफ करना चाहती हूँ कि जो लोग मेरे पति के बारे में अलग-अलग कहानियां बना रहे हैं। मैं खासतौर पर शो के कुछ खास पलों और हमारी शादी पर उठ रहे सवालों की बात कर रही हूँ। उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे छोटे-छोटे क्लिप्स पर भरोसा करने पर अपनी नाराजगी जाहिर की और कहा, प्लीज सोशल मीडिया पर चल रहे कुछ क्लिप्स को देखकर जज मत कीजिए, 24गुणा7 लाइव फीड देखिए।

अवॉर्ड्स की मेजबानी करना सम्मान की बात: पंकज त्रिपाठी

मुंबई (यशभारत)। आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 में बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी पहली बार होस्ट के तौर पर नजर आने वाले हैं। इस बारे में अभिनेता ने कहा कि अपने पूरे करियर में उन्होंने दूसरों के किर्दारों को जिया है, लेकिन आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स की मेजबानी करना एक रोमांचक और सम्मानजनक अवसर है।

उन्होंने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, एक एक्टर के लिए कुछ पल ऐसे होते हैं जो थोड़ी ज्यादा घबराहट और बहुत सारी खुशी लेकर आते हैं और पहली बार आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स को होस्ट करना उन्हीं में से एक है। उन्होंने बताया कि कैमरे के सामने किर्दारों के जरिए कहानियां सुनाते हुए उन्होंने अपना अधिकांश सफर तय किया है, इसलिए आईआईएफए जैसे प्रतिष्ठित मंच पर एक बिल्कुल अलग भूमिका में आना उनके लिए बेहद उत्साहजनक और सम्मान की बात है। अभिनेता ने आगे कहा कि किसी अवॉर्ड शो को होस्ट करने का यह उनका पहला अनुभव होगा, जो इस पल को उनके लिए और भी खास बनाता है। पंकज त्रिपाठी डिजिटल दुनिया के तेजी से



जिम्मेदारी के साथ न्याय कर पाएंगे। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईआईएफए) के आगामी संस्करण में डिजिटल और मुख्य अवॉर्ड सेरेमनी के लिए दो जोड़े होस्ट होंगे। पंकज त्रिपाठी और अली फजल आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 की मेजबानी करेंगे, जबकि करण जोहर और वरुण धवन आईआईएफए अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे।

बढ़ते प्रभाव को भी स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा, डिजिटल दुनिया ने कहानियां बनाने, खोजे जाने और पसंद किए जाने के तरीके को बदल दिया है और आईआईएफए का इस नई पीढ़ी को पहचान देना बहुत मायने रखता है। इतने सारे प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रिएटर्स के साथ इस जर्नन का हिस्सा बनना उनके लिए गौरव की बात है। पंकज त्रिपाठी का मानना है कि आईआईएफए ने हमेशा ही भारतीय सिनेमा को विश्व मंच पर प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपनी बात दोहराते हुए कहा, आईआईएफए हमेशा से भारतीय सिनेमा को दुनिया भर के दर्शकों तक लेकर गया है और मैं भी जोश, गर्मजोशी और थोड़े से ह्यूमर के साथ आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 के मंच पर आने के लिए उत्सुक हूँ। वे स्ट्रेज के दूसरी तरफ से आईआईएफए के जादू को महसूस करने का इंजान नहीं कर सकते और उम्मीद करते हैं कि वे अपनी जिम्मेदारी के साथ न्याय कर पाएंगे। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईआईएफए) के आगामी संस्करण में डिजिटल और मुख्य अवॉर्ड सेरेमनी के लिए दो जोड़े होस्ट होंगे। पंकज त्रिपाठी और अली फजल आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 की मेजबानी करेंगे, जबकि करण जोहर और वरुण धवन आईआईएफए अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे।

